



भारतीय
प्रौद्योगिकी
संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय



INDIAN
INSTITUTE OF
TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

दैनिक जागरण

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 09.01.2019

ई-कचरे से निकाल सकते 300 ग्राम सोना

जासं, वाराणसी : एडिनबरा विश्वविद्यालय स्कॉटलैंड के प्रो. जैसन ने मंगलवार को आइआइटी बीएचयू के खनन अभियांत्रिकी विभाग के समिति कक्ष में ई-कचरे की बढ़ती समस्या पर चिंता जतई।

शहरी खनन, सर्कुलर इकोनामी के महत्व को बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से ई-कचरा में मौजूद लगभग सभी तत्वों को प्राप्त कर पुनः चक्रण के माध्यम से प्रयुक्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सोने का प्राकृतिक अयस्क एक टन में 1 से 5 ग्राम सोना दे सकता है। जब कि ई-कचरा की क्षमता 300 ग्राम सोना देने की है। प्रो. जैसन यूजीसी एवं यूनाइटेड किंगडम के ब्रिटिश काउंसिल के संयुक्त तत्वाधान में यूके इंडिया रिसर्च एंड एजुकेशन इनिशिएटिव योजना के तहत आयोजित व्याख्यान में बोल रहे थे। इस योजना के तहत एडिनबरा विवि के दो वैज्ञानिकों के दल ने आइआइटी का भ्रमण किया। 'शहरी खनन एवं धातु निष्कर्षण में रसायन विज्ञान



मीडिया से बात करते प्रो. जैसन लवच प्रो. टीआर मानखण्ड प्रो. कैरल मारीसन, प्रो. कमलेशसिंह।

का महत्व' विषय पर अपने विचार रखे। डा. कैरोल ने ई-कचरे की जटिलता पर कहा कि यह बहुमूल्य धातुओं का स्रोत है। इसको लेकर रसायन मॉडलिंग की उपयोगिता बढ़ जाती है और इसके माध्यम से समस्या को हल किया जाना चाहिए। व्याख्यान के बाद शिक्षकों ने प्रेसवार्ता भी की। विभाग के प्रो. कमलेश सिंह ने कहा कि री-प्रोजेक्ट से भारत तथा यूनाइटेड किंगडम के लिए समान रूप से उपयोगी है। दोनों देशों की संयुक्त टीम वर्ष 2020 तक रिसाइक्लिंग की नवीन तकनीक विकसित कर रही है। व्याख्यान की अध्यक्षता प्रो. टीआर मानखंड ने की।